PRABODHAN EDUCATION SOCIETY'S

VIDYA PRABODHINI COLLEGE OF COMMERCE, EDUCATION, COMPUTER AND MANAGEMENT, VIDYANAGAR, PARVARI, GOA.

S.Y.B.A.B.Ed. SEMESTER END EXAMINATION

OCT-NOV/APRIL/MAY-JUNE 2018-19 (REGULAR/REPEAT/SPECIAL REPEAT)

SUB: Hindi Elective(HNE-03 काव्य, कथा-साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण)

SEMESTER:III CLASS: S.Y.B.A.B.Ed. DURATION: 2Hour MAX. MARKS:70

सुचनाएँ :

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) प्रत्येक मुख्य प्रश्नों का उत्तर नये पन्ने पर ही शुरू करें।
3) प्रश्न क्रमांक और उपप्रश्न क्रमांक स्पष्ट रूप से लिखिए।
4) दायी ओर दर्शाएँ हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्र.1.अ. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के लघु उत्तर लिखिए। **(2x5=10)**

1. प्रेमचंद का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. रमानाथ के घर छोड़कर चले जाने पर जालपा के स्वभाव में क्या परिवर्तन आता है ?
3. जोहरा की मृत्यु कैसे होती है ?
4. रमेश द्वारा कहा गया कौनसा शब्द तीर की भाँति रमा की छाती में लगा और क्यों ?

आ. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों के हिन्दी प्रतिशब्द दीजिए। **(10x½=05)**

1. Media 3. Expert 5. Acid 7. Proposed 9. Steel

2. Cheque 4. Sponsor 6. Network 8. Satellite 10. Final

प्र.2.अ. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के लघु उत्तर लिखिए। **(2x5=10)**

1. विद्यापति ने ऋतुराज वसंत का वर्णन किस प्रकार किया है ?
2. जायसी ने पद्मावती के केशो की तुलना किनसे की है और कैसे ?
3. 'कह दे माँ अब क्या देखूँ' कविता में महादेवी का संवेदनशील व्यक्तित्व किस तरह रेखंकित हुआ है ?
4. कवि प्रसाद 'अरूण यह मधुमय देश हमारा' कविता के माध्यम से कौनसा संदेश देते है ?

आ. निम्नलिखित हिन्दी शब्दों के अंग्रेजी प्रतिशब्द दीजिए। **(10x½=05)**

1. चुनाव आयोग	3. विज्ञापन	5.अंतरिक्ष	7. सर्वेक्षण	9. योजना आयोग
2. कार्यवाहक	4. पर्यटन	6. स्मारक	8. स्नातक	10. किश्त

प्र.3.अ.निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(05)**

1) 'मैं तुमसे अप्रसन्न नहीं हूँ ! अप्रसन्न होने की तो कोई बात भी नहीं है। आशा का विलंब ही दुराशा है, क्या मैं इतना नहीं जानता ? अगर तुमने मुझे मना न कर दिया होता, तो अब तक मैंने किसी-न-किसी तरह दो-एक चीजें अवश्य ही बनवा दी होती।'

अथवा

2) 'बात कुछ नहीं है, बुढ़िया बिगड़ती है। उसे वचन दे चुका हूँ, कि न सुदेशी-विदेशी के झगड़े में न पड़ूँगा, न किसी अखबार के दफ्तर में जाऊँगा।'

आ.1) फागुन पवन झँकोरै बहा। चौगुन सीउ जाइ किंमि सहा॥ **(05)**
तन जस पियर पात भा मोरा। बिरह न रहै पवन होइ झोरा॥
तरिवर झरै झरैं बन ढाँखा। भइ अनपत फूल फर साखा॥
करन्हि बनाफति कीन्ह हुलासू। मो कहँ भा जग दून उदासू॥

अथवा

2) रहे मन्द ही दीपक-माला,

तुझे कौन भय-कष्ट-कसाला ?

जाग रही है मेरी ज्वाला,

सो, मेरे आश्वासन, सो।

प्र.4.अ. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 400 शब्दों में लिखिए **(10)**

'गबन' उपन्यास में जालपा के आभूषण प्रेम से लेकर देशभक्त तक की यात्रा है –कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आ. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(5+5)**

1. रतन की त्रासदी ।

2. रमानाथ का चरित्र-चित्रण।

प्र.5.अ. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 400 शब्दों में लिखिए **(10)**

'प्रतिबध्द हूँ' कविता में कवि नागार्जुन ने अपने परिवेश के प्रति अपनी सम्बध्दता, कल्पना और यथार्थ के प्रति अपनी आबध्दता तथा प्रगतिशील समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबध्दता की घोषणा की है - स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आ. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(5+5)**

1) 'यह मन्दिर का दीप' कविता का संदेश।

2) 'लक्ष्मण-उर्मिला मिलन' कविता का भावार्थ।

प्र.6.अ. निम्नलिखित अनुच्छेद का संक्षेपण कीजिए। **(05)**

वन ! उपवन नहीं यह है सहज स्वाभाविक वन। जिसमें वनफूल होते है, वन्य प्राणी होते है, असंख्य पेड पौधे, वल्लरी, सरोवर, खाई, नदीं, पहाड, चट्टान अनेक विविधता से भरा; वही है वन। इसकी अनमोल वस्तु, इसकी उपयोगिता व महत्व ही हम सबकी संपत्ति है। मनुष्य आदि में तो वनवासी ही था। क्रमश: वह अपने जीवन को बुध्दि के बलबुते बदलते-बदलते आज का स्थान प्राप्त कर लिया है। जिस देश का वन जितना ही समृध्द है वह देश उतना ही धनवान माना जाता है। वन समृध्दि का अर्थ है ? समृध्दि का अर्थ जहाँ किसी की कमी न हो। उसके अंग है हर जाति के पेड-पौधे, पशु-पक्षी, फल-फूल, नदी सरोवर आदि। यदि इनमें किसी कि भी कमी हो जाती है तो वन पंगु हो जाता है या घायल हो जाता है। वहा की समृध्दि के लिए वस्तुएँ तथा प्राणी पक्षियों का पेड-पौधों का, नदी सरोवरों का होना आवश्यक है।

आ. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संवाद-लेखन कीजिए। **(05)**

1) शिक्षा और नौकरी इस विषय पर दो छात्राओं के बीच हुआ संवाद।

2) पानी की समस्या इस विषय पर दो महिलाओं में हुई बातचीत।

..............................समाप्त..............................